Alexander von Humboldt

अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट

Vishal
V.S.J. College
Rajnagar

PAGE NO:
DATE:

शास्त्रीय (classical) भूगोल के इस प्रतिभाशाली और साहसिक अन्वेषक यात्री का जन्म 1769 ई० में बर्लिन में Prussia के शाही परिवार में हुआ।

I. योगदान –

- (a) गाटिंगा विश्वविद्यालय में वनस्पति, खनिज, भू-विज्ञानों के अध्ययन, द० जर्मनी की वनस्पति, जलवायु संरचना आदि के अध्ययन, जेना में प्रकृति-दर्शन तथा Landschaft (भू-दृश्य) के निरीक्षण और प० यूरोप, द० और उ० अमेरिका, यूराल, प० साइबेरिया, लैटिन अमेरिका तथा अल्टाई पर्वत में खनिजों की खोजी यात्राओं आदि की छाप इनके योगदानों में मिलती है।
- (b) ग्रंथ एवं लेख → Rhineland Basalt, Asia central, Relation Historique, मेक्सिको और क्यूबा का प्रादेशिक वर्णन। Kosmos आदि द्वारा इन्होंने भूगोल को बहुमूल्य योगदान दिया।
- (c) भौगोलिक अध्ययन की विधियां (Methodology) →
  - (I) सावधानीपूर्वक, समालोचनात्मक प्रेक्षण पर बल
  - (II) Empirical inductive method – प्रत्यक्ष प्रेक्षण और विश्लेषण द्वारा क्षेत्रीय भिन्नताओं के अध्ययन पर बल।
  - (III) तुलनात्मक विधि (Comparative method)
  - (IV) शुद्धता – यंत्र आधारित प्रेक्षण और अभिलेखों की शुद्धता पर बल।
  - (V) Cartographic method – मानचित्र, रेखाचित्र, Geological section, अक्षांश-देशांतर, समताप एवं वर्षा रेखाओं के प्रयोग पर बल।

Scanned with CamScanner

• (d) Physical (Systematic) geog. → इन्होंने भौतिक भूगोल (Erdkunde) को ही वास्तविक भूगोल माना और भौतिक घटनाओं के नियमबद्ध व्यवस्थित विवरण दिए।
(I) ज्वालामुखी क्रिया — यह भू-संचलन एवं पर्वतनिर्माण के क्षेत्रों में होता है।
(II) जलवायु विज्ञान — इन्होंने ताप, वर्षा, वायुदाब, दिशा, विद्युत, चुम्बकत्व आदि पर प्रकाश डाला। मानचित्रों में समदाब रेखाओं का प्रयोग किया। द्वीपों में सम और आन्तरिक भागों में विषम जलवायु का सकारण विवरण किया। सर्वप्रथम climatology, Permafrost शब्दों का प्रयोग किया। इन्होंने "एल अगासिज" की "Universal Ice Age" संकल्पना को स्वीकार नहीं किया।
(III) वनस्पति भूगोल (Plant Geog.) → इनके अनुसार ऊँचाई और जलवायु-भिन्नताओं के कारण वनस्पतियाँ विभिन्न प्रकार की होती हैं।
• (e) भूगोल में मानव का स्थान → इनके अनुसार मानव पर प्रकृति का निरंकुश प्रभाव है। फिर भी मानव के अध्ययन के बिना प्रकृति का अध्ययन अधूरा है। सक्षम और अभियोजन-कुशल मानव पर प्रकृति का कुछ कम नियंत्रण है। मानव प्राकृतिक घटनाओं को कम प्रभावित करता है।
• (f) नियतिवादी चिन्तक → इनके अनुसार मानवीय क्रियाकलाप और शारीरिक रचना पर प्रकृति का पूर्ण प्रभाव पड़ता है पर मानव का प्रकृति पर कम प्रभाव पड़ता है।
• (g) व्यवस्थित एवं प्रादेशिक भूगोल → व्यवस्थित भूगोल के साथ ही इन्होंने प्रादेशिक भूगोल को भी

प्रधानता दी। उनका Kosmos ग्रंथ Systematic geog. है जबकि मेक्सिको, क्यूबा आदि के विवरण Regional Geog. है। हम्बोल्ट के साथ ही प्रदेशों के वर्णन का प्रयोग शुरू हुआ। उन्होंने प्रदेशों के भौतिक एवं मानवीय तत्वों के अन्तर्सम्बन्धित अध्ययन पर बल दिया।

(h) भूगोल की परिभाषा एवं उद्देश्य → उन्होंने भूगोल की प्रचलित परिभाषा और उद्देश्य को परिमार्जित किया। -
"Geography is concerned with the study of nature and with all those objects which exist together related to each other, casually in an area" - Humboldt.

(i) खगोल शास्त्र → उन्होंने सूर्य, नक्षत्र, ग्रह का अध्ययन ~~सम्पूर्ण विश्व के सन्दर्भ में~~ करने वाले खगोलशास्त्र को भूगोल से पृथक माना।

(j) जैविक-अजैविक तत्वों में अंतर्संबंध → उनके अनुसार भूगोल भूतल का अध्ययन ~~करता है~~। भौतिक और मानविय अन्तर्सम्बन्धों के साथ करता है। भौतिक तत्वों का जैविक तत्वों पर पूर्ण किन्तु जैविक तत्वों का प्रकृति पर आंशिक प्रभाव पड़ता है।

(k) स्थानिक वितरण → उनके अनुसार क्षेत्रीय विभेद का अध्ययन सम्पूर्ण विश्व के सन्दर्भ में होना चाहिए। भौतिक तत्वों में भिन्नताओं के कारण किसी पदार्थ के वितरण में क्षेत्रीय भिन्नताएँ (Areal differentiation) मिलती है।

(L) प्रकृति की एकता → भिन्नताओं के बावजूद प्रकृति एक सम्पूर्ण इकाई है। भूतल पर विभिन्नताओं के बावजूद जैविक-अजैविक तत्वों में विभिन्न रूपों में परस्पर सामञ्जस्य है। सब के मिलने से सजीव संसार बनता है।

Scanned with CamScanner

रिटर ने प्राकृतिक एकता को ईश्वरीय देन माना, पर हम्बोल्ट ने इसे भौतिकवादी चिन्तन पर आधारित माना।

- (M) मानव प्रजातियों में समानता → उनके अनुसार मानव प्रजातियों की समानता उत्पत्ति प्रक्रिया के कारण कोई प्रजाति दूसरी से निम्न नहीं है।

- उपसंहार (Conclusion) → प्राध्यापक नहीं होने से उनके भूगोलवेत्ता शिष्य नहीं थे। अतः उनके चिन्तन का प्रसार प्रारंभ में सीमित रहा। पर 20वीं शती शुरू होते ही उनके चिन्तन को काफी महत्व मिला और रिटर के साथ उन्हें भी 'Father of Modern Geography' (आधुनिक भूगोल के जनक) कहा जाने लगा। 1859 ई० में उनकी मृत्यु के बाद भी दोनों की विचारधाराएँ अन्य विद्वानों के भौगोलिक चिन्तन की आधारशिला बनी रहीं।